1526/1018

विभाग / मंत्रालय
DEPARTMENT/MINISTRY

शाखा
Hindi BRANCH

मंत्रणा संग्रह
Consultation Collection Proscribed Publication

संख्या
No. 1204

दिनांक
Date (207) (P)

(207)

विषय
Subject सावन का स्वाधीनता

पूर्व निर्देश
Previous reference

बाद का निर्देश
Later reference

Microfilm

॥ श्री ॥

सावन का स्वाधीनता ।

NATIONAL ARCHIVES LIBRARY
No 1204
Date 1-1-72
GOVT. OF INDIA

॥ कजरी ॥

चेतो २ भारत बासी, भारत भया सत्यानासी, तुम ध्यान धरो अपने मन में । अशह योग करो, हरगिज न डरो, जरा ख्याल करो उन बातन में ॥ देखो पंजाब की ख्वारी कैसा किया अत्याचारी, जहां चली थी गोली उन देशन में । रहा बारह बर्ष का लड़का, वो तो धर्म के ऊपर अड़का, लेके गांधी नीशान चला हाथन में ॥ मदन मोहन गोली खाकर, बोला बन्स मोर हरखाकर, तिसपर मारा तीन गोली उसके तनमें ॥ गिरा समर में उतान, गड़ा सीनेपर निशान, वो तो गये सुरधाम, चढ़ बिवानन में । फहरे सुराज का झंडा, मित्रो तब होवे दिल ठंडा, छप गया जिनका नाम अकवारनमें ॥ १ ॥ करके भारत के कंगाल, मेरे देशका लूटा माल लाखो मन गल्ला हर साल, बाहर करते । करते बिलायत आवाद, मेरा घर करके बरबाद, मजाकरते है शय्याद, हम भुखों मरते ॥ लिया मेरा सब रुजगार आपी करते हैं ब्यापार, हमतो होकर के लाचार, निसदिन जरते । सहते गये जब तक, सहागया तब तक, नहीं सहेगें दूख सच हम कहते प्रण रोप कहते आज, करेगें भारत का काज, हम तो लेवेंगें स्वराज, इन सालनमें ॥ २ ॥ होके एक देश के भाई, वो तो बनते नौकर साही, हमसे करते है जुदाई, राय साहब बनके । पाकर सरकारी खिताब, गठते हम पर है रुवाब, पैर पड़के जनाब, अंग्रेजन के ॥ नहीं शर्म हीजाब, चाहे लोग कहे खराब बनते बारहां नबाब, अपने मनके । छोड़ो गुलामी अशर, नही होवेगा कदर, ठोकर खइयो दर दर, जो हो सनके ॥ मुहमें कालीखा नहीं लगाते, करते लम्बी चौड़ी बातें, कैद हम सबको कराते, धर धोकन में ॥ चला कोई तरह नहीं चाला, रस्ता नयां एक निकाला, दिया चौरासिस का ताला, सबके जबानन में ॥ घीसन कहे कन्हैयालाल, करो भारत पर अब ख्याल, लड़ना चहिये तत काल अहिंसा रूपी रन में । शंकठा कहे शान्ती लावो चर्खा चक्कर तुम चलावो, इसमें शक्ती सूत कतावों, अपने महलन में । पखंडी कहते बारंबार, करों स्वदेशो का परचार, तब होई स्वराज एक पलछन में ॥ कहे मूलचन्द तीखार, बेड़ा भारत का हो पार, गर अहिंसा ब्रत रखो मन में ॥

महात्मा गांधी जी की जै ।

प्रकाशक--रामचन्द्र सराफ, मो० नन्दनसाव बनारस । मूल्य)॥

"श्री बागेश्वरी प्रेस" दारानगर, बनारस सिटी ।